

**शारदी स्त्री.** (तत्.) 1. शरद पूर्णिमा, आश्विन मास की पूर्णिमा, कोजागर 2. तोयपिप्पली, जलपिप्पली नामक वनस्पति वन. 3. सप्तपर्ण वि. शरद् ऋतु संबंधी।

**शारदीय वि.** (तत्.) शरद् कालीन, शरद् ऋतु संबंधी।

**शारद्वत पुं.** (तत्.) 1. कृपाचार्य 2. गौतम।

**शारि पुं.** (तत्.) 1. जुआ खेलने की पासे की गोट 2. शतरंज की गोटी (स्त्री.) 1. शारिका, मैना 2. हाथी की झूल 3. एक गान 4. कपट 5. निंदा।

**शारिका स्त्री.** (तत्.) 1. मैना नामक चिड़िया 2. तंत्रयुक्त वाद्य यंत्रों को बजाने की धनुष के आकार की कमानी, गज (सारंगी, वीणा आदि वाद्य यंत्र) 3. शतरंज की गोटी 4. दुर्गा का एक विशेषण।

**शारिका कवच पुं.** (तत्.) दुर्गा का एक कवच।

**शारित वि.** (तत्.) रंगीन, रंग-बिरंगा।

**शारिपट्ट पुं.** (तत्.) शतरंज, चौसर आदि के मोहरे बिछाकर खेलने की बिसात।

**शारिफल पुं.** (तत्.) शतरंज, चौसर आदि खेलने की बिसात, शारिपट्ट, शारिफलक।

**शारिवा स्त्री.** (तत्.) अनंतमूल, काला अनंतमूल, सारिवा नामक वस्पति विशेष।

**शारी स्त्री.** (तत्.) 1. मैना, सारिका 2. कुशा नामक घास विशेष 3. शतरंज की गोट 4. एक छोटी गेंद।

**शारीर तत्त्व विज्ञान पुं.** (तत्.) जीवों की शारीरिक रचना, तत्वों, अवयवों आदि के विवेचन से संबंधित विज्ञान।

**शारीर विज्ञान पुं.** (तत्.) जीवों की उत्पत्ति और वृद्धि आदि का विवेचन करने वाला शास्त्र, शरीर शास्त्र, आधुनिक विज्ञान की एक शाखा।  
anatomy

**शारीर विधान पुं.** (तत्.) जीवों की शरीर रचना, क्रिया, उत्पत्ति, वृद्धि संबंधी विवेचन करने वाला शास्त्र, शरीर शास्त्र।

**शारीर व्रण पुं.** (तत्.) वात, पित्त, कफ और रक्त के विकार से उत्पन्न रोग।

**शारीर शास्त्र पुं.** (तत्.) दे. शारीर तत्त्व शारीर विज्ञान।

**शारीर पुं.** (तत्.) 1. जीवात्मा, आत्मा 2. मल 3. बैल, साँड़, वृषभ 4. शरीर रचना शास्त्र वि. शरीर संबंधी, शरीर से उत्पन्न, देहज।

**शारीरक पुं.** (तत्.) आत्मा वि. देह संबंधी, देहज, शरीर से उत्पन्न।

**शारीरक भाष्य पुं.** (तत्.) शंकराचार्य कृत ब्रह्मसूत्र का भाष्य।

**शारीरक सूत्र पुं.** (तत्.) महर्षि वेदव्यास रचित वेदांत सूत्र।

**शारीरकीय वि.** (तत्.) दे. शारीरक।

**शारीरिक पुं.** (तत्.) जीवात्मा वि. शरीरधारी, शरीर से युक्त, शरीर से संबंधित।

**शारूक वि.** (तत्.) चोट पहुँचाने वाला, हिंसक, दुष्ट।

**शार्क स्त्री.** (तत्.) 1. एक बड़ी मछली 2. शर्करा, शक्कर, चीनी।

**शार्कक पुं.** (तत्.) 1. शर्करा पिण्ड 2. दुग्धफेन, दूध का झाग, मलाई।

**शार्कर पुं.** (तत्.) 1. दुग्धफेन, दूध का झाग 2. कंकरीला स्थान 3. लोध वृक्ष वि. शक्कर, चीनी से बना हुआ, शर्करा युक्त, कंकरीला।

**शार्दूलविक्रीडित पुं.** (तत्.) एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में मगण, सगण, जगण, सगण, 2 तगण और गुरु के योग से कुल 19 वर्ण होते हैं तथा 12-7 पर यति होती है।

**शार्व वि.** (तत्.) शिव-संबंधी।

**शार्वर वि.** (तत्.) 1. रात्रि-संबंधी, शर्वरी, निशाकालीन 2. घातक, दुष्टतापूर्ण पुं. अत्यधिक अंधकार, तमस।

**शार्वरिक वि.** (तत्.) रात का, रात्रि-संबंधी।